हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 94 देहरादून, बृहस्पतिवार, 29 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

रेल लाइन से प्रभावित लोगों की शिकायतों को सुनने तथा समाधान की पहल करे केंद्र : सतपाल महाराज 3

सूबे में बाल लिंगानुपात में हुआ सुधार : डॉ0 धन सिंह रावत

प्रति एक हजार बालकों पर 984 बालिकाओं ने लिया जन्म

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 28 सितम्बर। उत्तराखंड में बाल लिंगानुपात में व्यापक सुधार हुआ है, साथ ही राज्य में संस्थागत प्रसव का ग्राफ भी तेजी से बढ़ा है। सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत इसे राज्य सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हैं। उनका कहना है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार विभिन्न पहलुओं पर काम कर रही है। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ प्रदेश के आम लोंगो को मिल रहा है। उनका कहना है कि लिंगानुपात के आंकड़ों में सुधार के लिये स्वास्थ्य विभाग ने लाभार्थियों को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पहुंचाया साथ ही गर्भ में भ्रूण के लिंग परीक्षण पर सख्ताई से रोक लगाई। वर्तमान में सूबे में 90 फीसदी संस्थागत प्रसव किये जा रहे हैं, जिनको शतप्रतिशत करने का प्रयास किया जा रहा है।

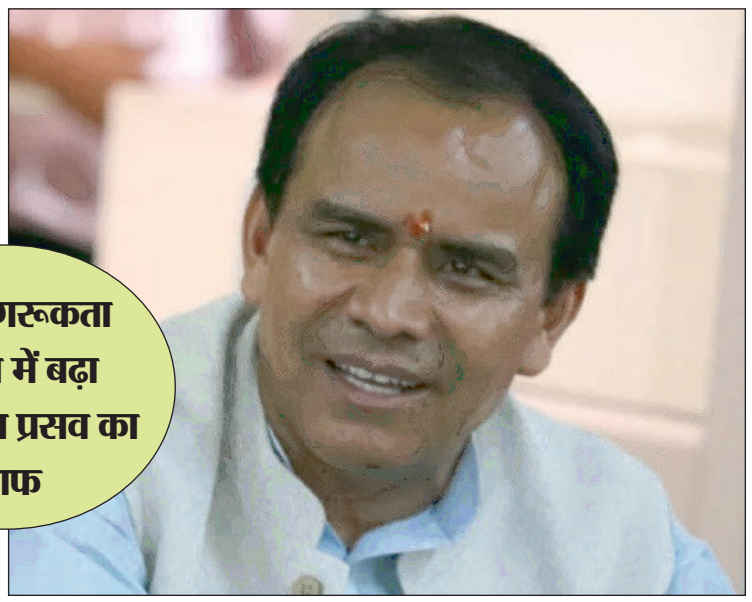

जनजागरूकता से सूबे में बढ़ा संस्थागत प्रसव का ग्राफ

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2020-21 की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में बाल लिंगानुपात में बेहत्तर सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य में 0-05 आयु वर्ग तक के बच्चों का लिंगानुपात 984 दर्ज किया गया है जोकि विगत वर्षों के मुकाबले बढ़ा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में प्रति 1000 बालकों पर 984 बालिकाएं जन्म ले रही हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के पांच जनपदों अल्मोड़ा, चमोली, नैनीताल, पौड़ी व उधमसिंह नगर में बालकों की तुलना में अधिक बालिकाओं का जन्म हुआ है। जिसमें जनपद अल्मोड़ा में 1000 बालकों के मुकाबले 1444 बालिकाओं ने जन्म लिया, ऐसे ही चमोली में 1026, नैनीताल में 1136, पौड़ी में 1065 व उधमसिंह नगर में 1022 बालिकाएं पैदा हुई। वहीं बागेश्वर में 1000 बालकों के जन्म के सापेक्ष 940, चंपावत में 926, देहरादून में 823, हरिद्वार में 985, पिथौरागढ़ में 911, रुद्रप्रयाग में 958, टिहरी में 866 व उत्तरकाशी में 869 बालिकाओं ने जन्म लिया, जो कि राष्ट्रीय औसत 929 के मुकाबले कहीं अधिक है।

विभागीय मंत्री ने बताया कि राज्य में बाल लिंगानुपात को लगातार बेहत्तर किया जा रहा है, जिसके लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनजागरुकता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान व अलग-अलग मौकों पर अभिभावकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अलावा विभाग द्वारा भ्रूण जांच व पी॰सी॰पी॰एन॰डी॰टी॰ अधिनियम की जानकारी देते हुये ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण समिति स्तर पर जनजागरूकता अभियान संचालित किये जा रहे हैं। डॉ0 रावत ने बताया कि राज्य में संस्थागत प्रसव को लेकर भी गर्भवती महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। वर्तमान में सूबे में लगभग 90 फीसदी प्रसव विभिन्न चिकित्सा ईकाईयों में हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव का लक्ष्य रखा गया है इसके लिये विभागीय अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दे दिये गये हैं।

उधमपुर में सैन्य चौकी के पास खड़ी बस में जोरदार धमाका

उधमपुर, 28 सितम्बर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में तीन अक्तूबर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे की तैयारियों के बीच बुधवार शाम उधमपुर में सैन्य चौकी के पास पेट्रोल पंप पर खड़ी बस में शक्तिशाली धमाका हुआ। धमाके से दो बसें क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि दो लोग घायल हो गए। प्रथम दृष्टया इसे आतंकी साजिश माना जा रहा है। सेना, सीआरपीएफ और पुलिस ने इलाके को घेरकर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उधमपुर में पुराने हाईवे पर टीसीपी दोमेल क्षेत्र में बैगड़ा पेट्रोल पंप पर एक मिनी बस समेत छह बसें खड़ी थीं। रोज की तरह बसंतगढ़ रूट की बस (जेके14डी-6857) शाम छह बजे खड़ी हुई थी और रात 10.30 बजे इस बस में जोरदार धमाका हुआ। बस और पास ही खड़ी मिनी बस (जेके14जी-5147) का एक हिस्सा भी चकनाचूर हो गया। बस कंडक्टर सुनील सिंह और मिनी बस कंडक्टर विजय कुमार घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के आवासीय इलाकों में इमारतों में भी कंपन महसूस की गई। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के आला अफसरों ने घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन की। पेट्रोल पंप के ठीक सामने सेना की चौकी भी है। खुफिया एजेंसियां और पुलिस आतंकी हमले के एंगल से इन्कार नहीं कर रहे हैं। हालांकि अभी तक धमाके की वजह साफ नहीं हो पाई है। वहीं, इससे कुछ घंटे पूर्व ही नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे पुंछ जिले में एक महिला को चार किलो आईईडी के साथ पकड़ा गया।

नव नियुक्त सीडीएस लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान को बधाई : राज्यपाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 28 सितम्बर।उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने भारत के नव नियुक्त सीडीएस लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (से नि) को बधाई दी है । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि यह अत्यंत खुशी की बात है कि उत्तराखंड राज्य से ही देश को दूसरे सीडीएस मिले हैं । उन्होंने कहा कि वह सेना के दिनों से नवनियुक्त सीडीएस से भली भांति परिचित हैं । उन्होंने बताया कि वह अत्यंत योग्य एवं कार्य कुशल सैन्य अधिकारी रहे हैं । राज्यपाल ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल चौहान ने उनके साथ कई ऑपरेशनल चुनौतियों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में काम किया है ।

उल्लेखनीय है कि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह जब सेना में कश्मीर में कोर कमांडर थे उस समय ले जन चौहान बारामूला में जीओसी के पद पर तैनात थे । राज्यपाल ने लेफ्टिनेंट जनरल चौहान बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वह अपनी कार्य कुशलता ,अनुभव और सामरिक दूर दृष्टि से अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

अंकिता के परिजनों को 25 लाख की आर्थिक सहायता : मुख्यमंत्री

अपराधियों को दिलाई जाएगी कठोरतम सजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 28 सितंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दिवंगत अंकिता भण्डारी के परिजनों को 25 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। अधिकारियों को इसके लिये निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंकिता के परिवार के साथ है और उनकी हर प्रकार से सहायता करेगी।

मामले की एसआईटी जांच की जा रही है। पूर्ण निष्पक्ष तरीके से जल्द से जल्द जांच पूरी की जाएगी। मामले से संबंधित हर तथ्य को जुटाते हुए पुख्ता तरीके से रिपोर्ट तैयार कर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा। अपराधियों को ऐसी सजा दिलाई जाएगी जो आगे के लिए भी नजीर बने। पीडित परिवार को त्वरित न्याय मिल सके, इसके लिये फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई के लिए माननीय न्यायालय से अनुरोध किया गया है।

चिंता में डूबेंगे तो डिप्रेशन-एंग्जाइटी का शिकार बनेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , अगर आप जरूरत से ज्यादा सोचते हैं तो ये आदत आपको बीमार बना सकती है। यह आपको डिप्रेशन और एंग्जाइटी की ओर धकेल रहा है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने दिमाग को दूसरी ओर मोड़ें और मानसिक तौर पर खुद को थोड़ा आराम दें। ऐसा नहीं है कि चिंता और जरूरत से ज्यादा सोचने वाले आप अकेले हैं।अमेरिका की येल यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के प्रोफेसर रहे सुसान नोलेन होएकसेमा कहते हैं कि हर कोई अपनी जिंदगी में कभी न कभी ऐसे दौर से गुजरता है, लेकिन जो इसे संभाल नहीं पाते वे डिप्रेशन या एंग्जाइटी का शिकार हो जाते हैं। चिंता भविष्य के लिए परेशान करती है, जबकि ओवरथिंकिंग पछतावा लाती है।होएकसेमा कहते हैं हमारा दिमाग संभावित परेशानियों की एक तरह की लिस्ट बना लेता है। किसी परेशानी की जुगाली तमाम लोगों में खाने की विकृति पैदा कर देती है। किसी को बहुत ज्यादा भूख लगती है तो किसी को बिल्कुल भूख नहीं लगती। ऐसी हालत में कई लोग नशा करने लगते हैं।

दिमाग को ओवरथिंकिंग से ऐसे बचाएं : रेयूबेन बर्जर बॉन यूनिवर्सिटी के अस्पताल में साइकोथेरेपिस्ट हैं। वे ऐसी हालत में दिमाग को भटकाने के तरीके बताते हैं। वे कहते हैं- जब भी आप चिंता या बहुत ज्यादा सोचना जैसा महसूस करें, अपनी मातृभाषा में खुद से चिल्लाकर कहिए बंद करो। यह आपको हास्यास्पद लग सकता है, लेकिन जब भी ऐसा हो, करके देखिए। दिमाग परेशान करने वाली बातें सोचना छोड़ देता है।अपने हाथ में रबर बैंड बांधिए और ऐसा कहते हुए उसे खींचिए। आप अपने आसपास ऐसे चित्र भी लगा सकते हैं। दरअसल, हमारा लक्ष्य दिमाग को स्थिर करना है। वे दूसरा तरीका बताते हैं, खुद से यह कहना कि हमारी सोच सही नहीं है। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि जो लोग परेशानियों का समाधान अपने तजुर्बे से ढूंढ़ते हैं, वे डिप्रेशन का शिकार कम होते हैं। इसलिए अपने अनुभवों की सुनिए।

दोस्तों से बात करें, खुद को व्यस्त रखें

फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक डॉ. एडवर्ड सेल्बी चिंता या ओवरथिंकिंग से बचने के लिए दिमाग भटकाने के कुछ और तरीके बताते हैं। वे कहते हैं- दिमाग को भटकाकर खुद को खुश रखिए। इसके कई तरीके हैं, जैसे दोस्तों से बात करिए, लेकिन उन्हें अपनी परेशानी मत बताइए।

परेशानी बताने से आपका दिमाग वहीं रहेगा।अलग-अलग विषयों पर फिल्में देखिए जिसे समझने में दिमाग को मेहनत करनी पड़े। जब भी परेशान हों तो नहा लीजिए। मन को सुकून मिलेगा। नए-नए गाने सुनिए। डांस करिए या फिर जिम जाइए। खुद को व्यस्त रखिए फिर चाहे किताब पढ़िए या ध्यान लगाइए।

पोस्ट ऑफिस में मिलेगा पासपोर्ट का पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 सितंबर , पासपोर्ट बनाने के लिए पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट की सबसे बड़ी अहमियत है. पुलिस वेरिफिकेशन के बाद ही पासपोर्ट जारी होता है. लेकिन पासपोर्ट बनवाने वालों को पता होता है कि यह सर्टिफिकेट लेना कितना मुश्किल काम होता है. जब तक दो चार बार थाने के चक्कर न लग जाएं, या थाने के पुलिसकर्मी घर पर न आ जाएं, तब तक क्लियरेंस सर्टिफिकेट नहीं बनी बनता. पासपोर्ट बनने में देरी की एक बड़ी वजह ये भी है. लेकिन इस पेच को सुधारने के लिए एक बड़ा सुधार किया गया है. अब आवेदक पोस्ट ऑफिस के पासपोर्ट सेवा केंद्र में भी पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (Police Clearance Certificate) के लिए अप्लाई कर सकेंगे. 28 सितंबर से यह नई सुविधा शुरू कर दी गई है.

क्या है क्लीरेंस सर्टिफिकेट

पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट हमेशा स्थानीय थाने से जारी किया जाता है. यह सर्टिफिकेट निवास प्रमाण पत्र के आधार पर पुलिस जारी करती है. पासपोर्ट बनवाने के लिए यह सर्टिफिकेट जरूरी होता है क्योंकि अथॉरिटी को पता करना होता है कि आवेदक के खिलाफ कोई आपराधिक मामला तो दर्ज नहीं है. पुलिस आवेदक के सभी रिकॉर्ड की जांच करती है और अपना क्लियरेंस सर्टिफिकेट देती है. इसी आधार पर पासपोर्ट जारी किया जाता है.

पहले क्या थी व्यवस्था

आवेदक पहले पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (Police Clearance Certificate) के लिए सरकारी पासपोर्ट सेवा पोर्टल की वेबसाइट पर अप्लाई करता था. जो लोग विदेश में रहते हैं, वे क्लियरेंस सर्टिफिकेट के लिए हाई कमीशन ऑफिस या इंडियन एम्बेसी के दफ्तर में अप्लाई करते थे. अब पासपोर्ट से जुड़ी हर सर्विस के लिए पोस्ट ऑफिस सेवा केंद्र में सुविधा शुरू कर दी गई है. इसके लिए आवेदक ऑनलाइन पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र में अप्लाई कर सकता है.

क्या कहा विदेश मंत्रालय ने

विदेश मंत्रालय का कहना है कि पोस्ट ऑफिस में पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (Police Clearance Certificate) देने की सुविधा इसलिए शुरू की गई क्योंकि अभी इसकी मांग सबसे अधिक है. इसका अर्थ हुआ कि अधिक से अधिक लोग पासपोर्ट के लिए अप्लाई कर रहे हैं, लेकिन क्लियरेंस को लेकर परेशानी आ रही है. पोस्ट ऑफिस में सुविधा शुरू होने से कोई भी व्यक्ति अपने घर के नजदीकी पासपोर्ट सेवा केंद्र जाकर सर्टिफिकेट आसानी से बनवा सकता है. इससे पुलिस और थाने का झंझट कम होगा और काम में आसानी होगी.

स्मार्टफोन का माता-पिता पर असर, बदल जाता है स्वाभाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , मोबाइल फोन और दूसरे डिजिटल डिवाइस का दिन में चार घंटे इस्तेमाल करने वाले पेरेंट्स का अपने बच्चों के प्रति व्यवहार बदल जाता है। कनाडा की वॉटरलू यूनिवर्सिटी के रिसर्च स्कॉलर्स ने 5 से 18 साल के बीच दो बच्चों वाले 549 माता-पिता का सर्वे किया।इस रिसर्च में पाया गया है कि जो अभिभावक खाली समय में या आराम करने के दौरान फोन या दूसरे डिजिटल माध्यमों के संपर्क में रहते हैं वो अपने बच्चों के प्रति चिड़चिड़े हो जाते हैं। बात-बेबात अपने बच्चों को झिड़कते रहते हैं और ज्यादा चिल्लाते हैं। मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल डिवाइस का इस्तेमाल करने वाले पेरेंट्स में 75% को डिप्रेशन भी था।

कोरोना में डिजिटल डिवाइस का इस्तेमाल बढ़ा

रिसर्च कोरोना काल के दौरान हुई। इसमें पाया गया कि स्क्रीन टाइम और डिजिटल माध्यमों के यूज में काफी तेजी आई है। औसतन, पेरेंट्स दिन में 3 से चार घंटे डिजिटल मीडिया का उपयोग करते हैं। वॉटरलू यूनिवर्सिटी में क्लिनिकल साइकोलॉजी के स्कॉलर और इस रिसर्च की मुख्य लेखिका जैस्मीन झांग ने कहा कि परिवार के तौर पर अभिभावक और बच्चे दोनों

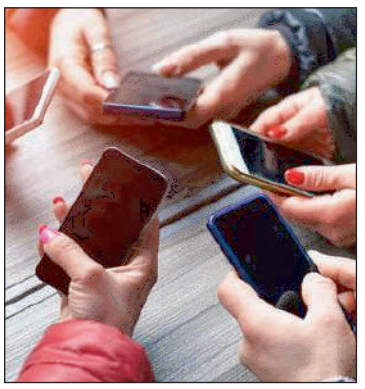

का व्यवहार मायने रखता है, ऐसे में हमने पाया कि अभिभावकों के व्यवहार पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।डिजिटल डिवाइस के बढ़े स्क्रीन टाइम व व्यवहार में आई तल्खी के बीच में कनेक्शन पाया गया। रिसर्च टीम ने यह भी पाया जब परिवार के लोगों के बीच में बातचीत कम हो गई तो अभिभावकों में पेरेंटिंग से संबंधित खराब आदतें उभरने लगीं।

सामाजिक रूप से ज्यादा एक्टिव रहें

रिसर्च लीडर प्रो. जैस्मीन झांग ने बताया कि जो पेरेंट्स सोशल मीडिया पर दिन भर में एक या दो घंटे बिताते हैं, उनका व्यवहार बच्चों के प्रति ज्यादा सकारात्मक होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को सामाजिक रूप से ज्यादा एक्टिव रहना चाहिए।

गढ़ी कैंट में सामुदायिक भवन के निर्माण को कमिश्नर सुशील कुमार ने दी स्वीकृति

एनडीडीए बोर्ड बैठक में उपाध्यक्ष सोनिका और नगर आयुक्त मनुज गोयल ने भी मुख्यमंत्री धामी के विज़न पर ज़ोर दिया

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 29 सितंबर , प्राधिकरण बोर्ड की 104 वी बैठक सुशील कुमार,आईएएस आयुक्त,गढ़वाल मण्डल की अध्यक्षता में प्राधिकरण कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में उपाध्यक्ष सोनिका, मुख्य नगर आयुक्त मनुज गोयल , अनु सचिव वित्त , उत्तराखंड शासन पूरन , मुख्य अभियंता पेय जल निगम एच सी जोशी , मुख्य नगर नियोजक उत्तराखंड एस एम श्रीवास्तव, अनुसचिव आवास उत्तराखंड शासन योजक चिरंजी लाल , सचिव प्राधिकरण मोहन सिंह बर्निया , संयुक्त सचिव रजा अब्बास, मुख्य लेखाधिकारी स्मृति खंडूरी एवं अधीक्षण अभियंता एच सी एस राणा उपस्थित रहे. सर्वप्रथम प्राधिकरण की 103 वी बैठक की अनुपालन आख्या का अनुमोदन किया गया.

सुशील कुमार, आईएएस
आयुक्त, गढ़वाल मण्डल

बैठक में स्वीकृति हेतु कुल 75 प्रकरण रखे गए थे जिसमे से अधिकतर प्रकरण मानचित्र स्वीकृति हेतु रखे गए थे जो की प्राधिकरण बोर्ड से हे अनुमन्य थे. कुछ प्रकरणों में मानकों में शिथिलता हेतु प्रताव प्रस्तुत किये गए थे परन्तु बोर्ड द्वारा विना किसी ठोस औचित्य के प्रकरणों पर विचार नहीं किया एवं सभी प्रकरण निरस्त कर दिए गए. भू उपयोग परिवर्तन से सम्बंधित समस्त प्रकरणों को आगामी बोर्ड में रखे जाने के निर्देश दिए गए. कुछ प्रकरण One Time Settlement योजना से सम्बंधित मानचित्रों के थे , जिन पर बोर्ड द्वारा स्कीम से सम्बंधित किसी भी प्रकरण को बोर्ड में ना रखे जाने हेतु निर्देश दिए गए। गढ़ी केंट में सामुदायिक भवन के निर्माण को प्राधिकरण द्वारा के स्वीकृति प्रदान की गयी. जिसके अनुमानित लागत 12.75 करोड़ मात्र है.प्राधिकरण सचिव द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद करते हुए बैठक का समापन किया गया.

धरासू बैंड के पास गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे बंद, सड़क के दोनों ओर फंसे यात्री और स्थानीय लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

धरासू बैंड के पास भारी भूस्खलन के चलते गंगोत्री व यमुनोत्री हाईवे पर आवाजाही बंद हो गई है। हाईवे के दोनों ओर स्थानीय व चारधाम यात्री फंस गए हैं। बुधवार शाम करीब छह बजे धरासू बैंड के पास यमुनोत्री हाईवे पर भारी भूस्खलन हुआ जिसका मलबा व बोल्डर यमुनोत्री हाईवे के नीचे से गुजरने वाले गंगोत्री हाईवे पर भी आ गिरा जिसके चलते दोनों हाईवे पर आवाजाही पूर्ण रुप से बाधित हो गई है।

पहली बार बीते 17 अगस्त को धरासू बैंड के पास पहाड़ी दरकने से यमुनोत्री व गंगोत्री हाईवे बंद हुआ था। इसे कड़ी मशक्कत के बाद खोला गया था लेकिन इसके बाद से ही यहां नया भूस्खलन जोन विकसित हो गया है।

बुधवार शाम को भी यहां यमुनोत्री हाईवे से अचानक भारी भूस्खलन हुआ जिसने गंगोत्री हाईवे को भी अपनी जद में ले लिया। थानाध्यक्ष धरासु ऋतुराज ने बताया कि दोनों हाईवे पर भारी मलबा आया है। बताया कि गंगोत्री हाईवे के लिए बीआरओ और यमुनोत्री हाईवे के लिए हाईवे चौड़ीकरण करने वाली रानी कंस्ट्रक्शन कंपनी को सूचना दी गई है। हालांकि यहां भारी भूस्खलन से हाईवे बंद होने से आवाजाही बहाल होने पर समय लग सकता है।

रेल लाइन से प्रभावित लोगों की शिकायतों को सुनने तथा समाधान की पहल करे केंद्र : सतपाल महाराज

अधिगृहीत भूमि के प्रतिकर के भुगतान में हुई विसंगतियां को लेकर केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले महाराज

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली/देहरादून , 29 सितंबर प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन,मंत्री सतपाल महाराज ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन निर्माण के दौरान निकटवर्ती गांव वालों हो रही समस्याओं के समाधान और अधिगृहीत भूमि के प्रतिकर के भुगतान में हुई विसंगतियां को लेकर केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर इस विषय में उन्हे एक पत्र भी सौंपा।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन निर्माण के दौरान निकटवर्ती गांव वालों हो रही समस्याओं के समाधान, अधिगृहीत भूमि के प्रतिकर के भुगतान में हुई अनेक विसंगतियों, पुनर्वास पैकेज शीघ्र घोषित करने और बेरोजगारों को रेलवे परियोजना के निर्माण कार्यों में समायोजित करने आदि कई प्रमुख बिन्दुओं को लेकर बुद्धवार को एक प्रतिनिधि मंडल प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, लघु सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, पंचायती राज, जलागम प्रबन्धन, संस्कृति, धर्मस्व भारत-नेपाल उत्तराखण्ड नदी परियोजना मंत्री सतपाल महाराज के नेतृत्व में नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिला और इस विषय में उन्हें एक पत्र भी सौंपा।

राज्य के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल लाइन के निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष जाहिर करते हुए केन्द्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात के दौरान उन्हें बताया कि जिन क्षेत्रों में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन

निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं वहां के जनप्रतिनिधियों ने उन्हें अवगत कराया है कि ₹रेल विकास निगम द्वारा ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन हेतु सुरंग निर्माण के लिए जो विस्फोटक प्रयोग किए जा रहे हैं, वह मानकों से कहीं अधिक तीव्रता के हैं, जिसके परिणामस्वरूप रेलवे लाइनों के निकटवर्ती गांवों के आवासीय भवनों, गोशालाओं और खेतों में गहरी व चौड़ी दरारें पड़ रही हैं। इतना ही नहीं लगातार यह बढ़ भी रही हैं जिस कारण अनेक गांवों के अस्तित्व पर संकट आ गया है।

महाराज ने रेलवे मंत्री को सौंपा पत्र के माध्यम से उन्हें अवगत कराया कि रेलवे लाइनों के निकटवर्ती गांवों के अनेक परिवार सुरक्षा के लिए अपने भवन छोड़कर अन्यत्र शरण ले चुके हैं। इस समस्या के निराकरण के लिए रेलवे मंत्रालय द्वारा ऐसे गांवों को चिन्हित करके क्षति का आंकलन कर प्रभावित परिवारों को समुचित क्षतिपूर्ति (मुआवजा) दिया जाना चाहिए। उन्होने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन निर्माण के लिए रेलवे विकास निगम द्वारा अधिगृहीत भूमि के प्रतिकर के भुगतान में हुई अनेक विसंगतियों की ओर रेलवे मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि प्रभावितों की सुनवाई किसी भी स्तर पर न होने के कारण लगातार जनाक्रोष व्याप्त हो रहा है।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने केन्द्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से अनुरोध किया कि समस्याओं के निराकरण हेतु रेलवे मंत्रालय एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर प्रभावित लोगों की शिकायतों को सुनने तथा समाधान की पहल करे। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन के पैकेज 08 के अंतर्गत पूर्ण प्रभावित मरोड़ा ग्राम के निवासियों का पुनर्वास समय पर न होने और अतिरिक्त विस्थापित परिवारों के युवाओं को परियोजना के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध न होने के विषय को श्री महाराज ने रेलवे मंत्री के समक्ष रखा। उन्होने रेल मंत्री से कहा कि रेलवे मंत्रालय द्वारा इसके निराकरण हेतु ग्रामवासियों का पुनर्वास पैकेज शीघ्र घोषित कर बेरोजगारों को परियोजना के निर्माण कार्यों में समायोजित किया जाये।

पर्यटन मंत्री श्री महाराज ने केंद्रीय रेलवे मंत्री से योगनगरी स्थित ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे स्टेशन को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने हेतु भी अनुरोध किया। उन्होने कहा कि रेलवे स्टेशन के आस-पास की भूमि पर प्रदेश का पर्यटन विभाग अनेक विधाओं का चित्रण करने के साथ-साथ राज्य में चलने वाली विभिन्न पर्यटन गतिविधियों की जानकारी देने के अलावा कैफेट एरिया, पहाड़ी भोजन एवं पहाड़ी मिठाियों की भी व्यवस्था करेगा।इस मौके पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, रूद्रप्रयाग विधायक भरत चौधरी और कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल आदि मौजूद थे।

विश्व हृदय दिवस : मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने लोगों को किया जागरूक, आप भी ज़रूर पढ़ें

कार्डियो वैस्कुलर बीमारी (सीवीडी) से हर साल 17.5 मिलियन लोगों की मौत होती है, जो दुनिया भर में होने वाली सभी मौतों का 31 फीसदी है

- सीवीडी से होने वाली 75% मौतें निम्न-आय और मध्यम-आय वाले देशों में होती हैं।
- सभी सीवीडी मौतों में से 80% हार्ट अटैक और स्ट्रोक के कारण होती हैं।

महविश की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 29 सितंबर, दिल की बीमारियां अब बुजुर्गों की बीमारी नहीं रही। गतिहीन जीवन शैली और मोटापा, तनाव और जंक फूड के सेवन अदि जैसे कारकों के कारण युवाओं में भी हृदय संबंधी समस्याएं अधिक होती जा रही हैं।विश्व हृदय दिवस से पूर्व, जो कि हर वर्ष 29 सितंबर को मनाया जाता है, उत्तर भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाता, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, देहरादून ने आज लोगो को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और प्रेरित करने के लिए एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया।भारत में हर साल कार्डियोवैस्कुलर बीमारी (सीवीडी) से 17.5 मिलियन से अधिक मौतों होती है। आज की यह बैठक लोगो को अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने और जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी ताकि वे लंबे, बेहतर और स्वस्थ हृदय के साथ अपना जीवन जी सकें। कार्यक्रम में बोलते हुए, डॉ प्रीति शर्मा, एसोसिएट डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने कहा, "भारत के 12 शहरों में किए गए एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि 70 प्रतिशत से अधिक शहरी भारतीय आबादी हृदय रोग से किसी न किसी प्रकार से प्रभावित हैं।

इस वर्ष विश्व हृदय दिवस की थीम है - 'सभी के लिए स्वास्थ्य हृदय'। इसी लिए हम चाहते हैं कि विश्व हृदय दिवस का यह संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे ताकि हर किसी के लिए कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य प्राप्त करने में मदद मिल सके।₹डॉ योगेंद्र सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने आगे बताया , ₹हृदय रोग (सीवीडी) दुनिया भर में होने वाली मौतों का प्रमुख कारण है। सीवीडी के दो सबसे आम प्रकार है कोरोनरी हृदय रोग (दिल का दौरा पड़ने वाले) और सेरेब्रोवास्कुलर रोग (स्ट्रोक के लिए अग्रणी कारक) हैं। विकासशील देशो में हृदय रोग पुरे विश्व का 80% से अधिक पाए जाते है ।एक अनुमान के अनुसार कि 2023 तक, चीन में सीवीडी से होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 40 लाख प्रति वर्ष और भारत में लगभग 50 लाख हो जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में, हृदय की समस्याओं से पीड़ित युवा रोगियों की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है।

डॉ पुनीश सदाना, एसोसिएट डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने बताया कि हमारी ओपीडी में हृदय संबंधी समस्याओं के साथ आने वाले अधिकांश रोगी युवा हैं और इनके मुख्य कारण हानिकारक जीवनशैली की आदतें हैं जैसे धूम्रपान, शराब पीना, अत्यधिक फास्ट-फूड का सेवनतथा व्यायाम न करना है।₹अस्वस्थ आहार और शारीरिक निष्क्रियता के कारण लोगों में बढ़ा हुआ रक्तचाप, बढ़ा हुआ रक्त शर्करा, बढ़ा हुआ रक्त लिपिड और अधिक वजन तथा मोटापे के रूप में दिखाई देता है. जिनको इन्हें 'मध्यवर्ती जोखिम कारक' या मेटाबोलिक जोखिम कारक कहा जाता है,₹ उन्होंने आगे बताया।डॉ रवि कुमार सिंह, सीनियर कंसल्टेंट और हेड-सीटीवीएस ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि लगभग 32 मिलियन भारतीय हृदय रोग से पीड़ित हैं। हृदय रोगों का खतरा कोई नया नहीं है। यह वर्षों से हो रहा है, जिससे हमें हमारे जटिल जीवन शैली विकल्पों के हर विवरण पर सोचना पड़ रहा है । कोरोनरी धमनी रोग, उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह और रूमेटिक हृदय रोग के कारण भारत में हृदय गति रुकने का खतरा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। जीवन शैली की आदतों को यदि प्रारंभिक अवस्था में बदल दिया जाए तो व्यक्ति के हृदय और स्वास्थ्य पर बहुत प्रभाव पड़ सकता है।

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, देहरादून में एक बड़ी और समर्पित कार्डियोलॉजी टीम चौबीसो घन्टे उपलब्ध है। मैक्स अस्पताल हृदय रोगों के प्रबंधन के लिए सारी सुविधायेँ प्रदान करता है। सीटीवीएस, कार्डियोलॉजी और आपातकालीन टीम, रोगी को स्थिर करने और रोगियों के लिए उपचार के तरीकों को एक साथ तय करके इलाज प्रदान करता है ।

वैज्ञानिक कूड़ा निस्तारण केंद्र पर शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने ली बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 29 सितंबर , क्षेत्रीय विधायक व शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने ऋषिकेश नगर निगम के अंतर्गत डंप हो रहे कूड़े के निस्तारण तथा लालपानी स्थित बनने जा रहे वैज्ञानिक कूड़ा निस्तारण केंद्र के संदर्भ में शहरी विकास विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश में वर्षो से डंप हो रहे कूड़े के निस्तारण के लिए शीघ्र कार्यवाही शुरू करने को कहा। वहीं, लालपानी में चिन्हित जमीन में वैज्ञानिक कूड़ा निस्तारण केंद्र के हो रहे ग्रामीणों द्वारा विरोध के संदर्भ में भी अतिशीघ्र मौका मुआयना कर दोनों समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर डॉ अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश में वर्षो से डंप हो रहे कूड़े से जहाँ स्थानीय लोगों को दुर्गंध और बीमारियों से जूझना पड़ता है, वहीं आने वाले यात्री गलत संदेश ले कर जा रहे हैं। डॉ अग्रवाल ने लालपानी (गुमानीवाला) में बनने जा रहे वैज्ञानिक कूड़ा निस्तारण केंद्र का ग्रामीणों द्वारा विरोध पर भी अधिकारियों को तुरंत क्षेत्र में जाकर समस्या निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में सचिव शहरी विकास दीपेंद्र चौधरी, निदेशक नवनीत पांडेय मौजूद रहे।

उधम सिंह नगर प्रशासन ने आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

फ़िरोज़ आलम की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 29 सितम्बर। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग उधम सिंह नगर द्वारा केंद्र पोषित योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया l कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी ने रिबन काटकर किया l यह आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद के समस्त राजकीय विद्यालयों में किया जाएगा प्रति विद्यालय में 7 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम 100-100 बालिकाओं के लिए किया जाएगा l इस प्रकार यह आत्म सुरक्षा कार्यक्रम कुल 91 दिन जनपद के समस्त राजकीय बालिका विद्यालय में चलाया जाएगा इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को आत्म सुरक्षा प्रदान करना है जिससे कि वे समाज में हो रहे अत्याचारों से खुद की रक्षा कर सकेंl इस प्रशिक्षण द्वारा कुल 1300 बालिकाएं लाभान्वित होंगी l कार्यक्रम में ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन द्वारा सहयोग प्रदान किया गया l इस कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी उधम सिंह नगर बाल विकास परियोजना अधिकारी रुद्रपुर समस्त सुपरवाइजर विद्यालय की प्रधानाचार्य महिला शक्ति केंद्र की टीम पोषण अभियान की टीम प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की टीम समस्त शिक्षक उपस्थित रहे ।

रिश्वतखोर कानूनगो की जेब से मिले 77840 रुपये, घर पर भी तीन लाख रुपये, आईफोन व बंदूक बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सल्ट (रानीखेत) : Vigilance caught Kanungo taking bribe : तहसील मुख्यालय में तैनात रजिस्ट्रार कानूनगो अब्दुल हबीब खान को विजिलेंस की टीम ने रिश्वत लेते दबोच लिया।

आरोप था कि जमीन के दाखिल खारिज की एवज में वह घूस मांग रहे थे। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक विजिलेंस प्रह्लाद नारायण मीणा के निर्देश पर ट्रैप टीम ने कार्यालय में छापा मार रजिस्ट्रार कानूनगो को 10 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी लेने पर आरोपित की जेब से 77840 रुपये नकद मिले। वहीं सरकारी आवास से 80 हजार रुपये कैश, एक आइफोन, 12 बोर की लाइसेंसी एकनाली बंदूक व 13 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए। उधर विजिलेंस की दूसरी टीम ने आरोपित रजिस्ट्रार कानूनगो के हल्द्वानी स्थित निजी आवास पर भी छापा मारा है, जहां से 2.10 लाख रुपये नकद मिले हैं।

काठगोदाम निवासी शख्स ने की थी शिकायत

नैनीताल के चौहानपाटा रानीबाग काठगोदाम नैनीताल निवासी हिमांशु जोशी ने सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर नैनीताल के मंडलीय कार्यालय में हेल्पलाइन नंबर 1064 पर 21 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई।

उसने इसी साल मार्च में तल्ला सल्ट के जिहाड़ गांव में जमीन खरीदी थी। रजिस्ट्री भी हो गई। आरोप था कि रजिस्ट्रार कानूनगो अब्दुल हबीब दाखिल खारिज की एवज में एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत मांग रहे थे। रकम देने के लिए 28 सितंबर यानि बुधवार को तहसील मुख्यालय स्थित कार्यालय में हिमांशु को बुलाया गया था।

मसूरी टनल और माजरा-आशारोड़ी परियोजना के कार्यों में तेजी लाये : डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 सिंतबर , अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल की अध्यक्षता में एनएचएआई/एनएच से संबंधित भूमि अर्जन प्रकरणों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अपर जिलाधिकारी ने एनएच 72 भूमि अधिग्रहण की प्रगति तथा मसूरी टनल की प्रगति के साथ ही माजरा-आशारोड़ी परियोजना के संबंध में कार्यों में तेजी लाने के साथ ही मुआवजा वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

अपर जिलाधिकारी ने एनएचएआई/एनएच के अधिकारियों को योजनाओं हेतु भूमि के प्रस्ताव, रिर्पोट/मूल्याकंन आदि प्रकरण जो लम्बित है पर त्वरित कार्यवाही करते हुए रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित कास्तकारों/भू-स्वामियों जिनको मुआवजा वितरित किया जाना है के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। ऋषिकेश-भानियावाला मार्ग के चैड़ीकरण की प्रगति के संबंध में जानकारी लेने पर सक्षम प्राधिकारी भू-अध्यापति अधिकारी ने अवगत कराया है कि उक्त रोड़ चैड़ीकरण हेतु 3डी का प्रकाशन हो गया है तथा मसूरी-चकराता रोड़ की डीपीआर बनाई गई है।

अपर जिलाधिकारी ने एनएच के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जोगीवाला एवं अजबपुर फ्लाई ऑवर से एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाएं तथा इस कार्य में पुलिस की सहायता लें। बैठक में उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द दुर्गापाल, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी/उप जिलाधिकारी ऋषिकेश एस.एस नेगी, एनएचएआई प्रबंधक सुनील सिसोदिया, एनएच से अधि0 अभि0 रचना सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंकिता हत्याकांड की जांच सीबीआइ से कराए सरकार : पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 28 सितम्बर। अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआइ से कराने और दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा समेत अन्य वरिष्ठ कांग्रेसियों ने गांधी पार्क के गेट के सामने धरना दिया।

कांग्रेसियों ने कहा कि अंकिता हत्याकांड मानवता के लिए शर्मसार करने वाला है। जिसके लिए दोषियों को फांसी होनी चाहिए, जो कि इस प्रकार के अपराध करने वालों के लिए एक नजीर साबित हो।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार को अंकिता हत्याकांड की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआइ जांच की पैरवी करनी चाहिए। इसमें परत-दर-परत सभी चीजों की जांच होनी जरूरी है। जैसे रिसार्ट में आने वाले वीआइपी के नाम का भी पर्दाफाश होना चाहिए, जिसके लिए आरोपित रिसार्ट मालिक अंकिता पर दबाव बना रहा था।

उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम में आरोपित को इतना वक्त दिया गया कि वह साक्ष्य मिटा सके। एक महत्वपूर्ण साक्ष्य बुलडोजर से तोड़कर नष्ट कर दिया गया। जहां सीसीटीवी कैमरा सहित कई साक्ष्य महत्वपूर्ण हो सकते थे। आरोपितों के मोबाइल और उनके संरक्षकों के मोबाइल गायब हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि उत्तराखंड में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार में महिलाओं पर अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं। भाजपा नेता के बेटे के रिसार्ट में अंकिता के साथ इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया गया है। साथ ही रातों-रात साक्ष्य नष्ट करने के इरादे से वहां बुलडोजर चला दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा सरकार में अपराधियों को खुला संरक्षण दिया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि अंकिता गरीब परिवार से थी। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस जघन्य हत्याकांड के साक्ष्यों को नष्ट करने का काम कर रही है।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि भाजपा नेता के पुत्र का रिसार्ट होने के चलते राज्य सरकार ने शुरुआत से ही इस जघन्य अपराध पर पर्दा डालने का काम किया है। सरकार के दबाव में राजस्व पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने में हीलाहवाली की गई।

उक्रांद के नेता काशी सिंह ऐरी, पुष्पेश त्रिपाठी, पूर्व आइएएस एसएस पांगती ने भी धरने को समर्थन दिया। इस दौरान पृथ्वीपाल चौहान, सुरेंद्र कुमार, नवीन जोशी, सुशील राठी, गरिमा दसौनी, मनीष नागपाल, राकेश नेगी, परिणीता बडोनी, शीशपाल बिष्ट, आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा, सुमित्रा ध्यानी, राकेश रावत, राजेंद्र बिष्ट, गुल मोहम्मद, अनुराधा तिवारी, फातिमा, गुलजार आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश में विद्युत उपभोक्ताओं को लगा झटका, राज्य में फिर महंगी हुई बिजली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 28 सितम्बर। बिजली उपभोक्ताओं पर बिल में सरचार्ज का भार बढ़ गया है। उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने ऊर्जा निगम के साढ़े 12 प्रतिशत सरचार्ज वृद्धि के प्रस्ताव को संशोधित कर करीब साढ़े तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की मंजूरी दी है। जिससे पांच पैसे से 86 पैसे प्रति किलोवाट तक की वृद्धि हो गई है। उत्तराखंड में गर्मियों में बिजली संकट के दौरान राष्ट्रीय एक्सचेंज से महंगी खरीद का हवाला देते हुए ऊर्जा निगम ने इस वित्तीय वर्ष में विद्युत सरचार्ज बढ़ाने की मांग की थी। हालांकि, आयोग ने निगम को वांछित राहत नहीं दी है।

ग्रीष्मकाल में अचानक बढ़ी विद्युत मांग और देश में कोयला व गैस संकट के चलते उत्तराखंड में भी लगातार बिजली की कमी बनी रही। ऐसे में मार्च से ही ऊर्जा निगम राष्ट्रीय एक्सचेंज से महंगी दरों पर बिजली खरीद कर रहा था। बिजली संकट के चलते राष्ट्रीय बाजार में दरें डेढ़ से दो गुना अधिक पहुंच गईं।

इधर, उत्तराखंड में विद्युत मांग भी रिकार्ड स्तर पर रही। जिसके चलते ऊर्जा निगम को प्रत्येक माह करीब 120 करोड़ रुपये की बिजली खरीद करनी पड़ी। इस वित्तीय वर्ष में ऊर्जा निगम ने करीब 1000 करोड़ की अतिरिक्त बिजली खरीद का आकलन किया है। इसकी भरपाई के लिए निगम की ओर से सरचार्ज में साढ़े 12 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव नियामक आयोग को भेजा गया था। जिस पर आयोग ने साढ़े तीन प्रतिशत वृद्धि का अनुमोदन किया है।

अनिल कुमार (प्रबंध निदेशक, ऊर्जा निगम) ने कहा कि महज एक साल के लिए साढ़े 12 प्रतिशत सरचार्ज बढ़ाए जाने की की मांग की गई थी। एक साल तक सरचार्ज बढ़ाकर निगम को 1355 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान था, लेकिन आयोग की ओर से साढ़े तीन प्रतिशत वृद्धि का अनुमोदन दिया गया है। जिससे निगम को करीब साढ़े तीन सौ करोड़ का ही अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। जबकि, सर्दियों में भी महंगी बिजली खरीद की आवश्यकता पड़ सकती है।

एमके जैन (सदस्य, नियामक आयोग) ने बताया कि उपभोक्ताओं के हित और ऊर्जा निगम की दलीलों को देखते हुए सरचार्ज में प्रस्तावित 12.5 प्रतिशत की बजाय 3.5 प्रतिशत वृद्धि की अनुमति दी गई है। निम्न आय वर्ग पर इसका बेहद कम भार डाला गया है।

सेहत की बात : डेंगू से बचना है तो ऐसे बढ़ाइए प्लेटलेट्स

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 सितंबर , उत्तराखंड ही नहीं देश के कई हिस्सों में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. इस बीमारी में इम्यूनिटी डाउन होने लगती है और ब्लड प्लेटलेट्स काउंट डाउन होने लगता है. एक हेल्दी इंसान में ये काउंट 150 हजार से 450 हजार प्रति माइक्रोलीटर होना चाहिए. एक्सपर्ट्स के मुताबिक जब ये संख्या 150 हजार से कम हो जाए, तो इसे लो प्लेटलेट काउंट माना जाता है. इन बीमारी के होने पर ये 20 हजार तक गिर जाता है, जो कि जानलेवा स्थिति होती है. डेंगू के अलावा कई अन्य बीमारियां हैं, जिनकी वजह से भी ऐसा हो सकता है, लेकिन भारत में फिलहाल बढ़ते डेंगू के मामलों ने लोगों के बीच प्लेटलेट काउंट की टेंशन को बढ़ा दिया है.

इस सिचुएशन में डॉक्टरी इलाज के साथ-साथ मरीज को बकरी का दूध और पपीते के पत्ते का सेवन कराया जाता है. इनके अलावा कुछ ऐसे फूड्स भी हैं, जिनका सेवन करके प्लेटलेट काउंट का लेवल बरकरार रखा जा सकता है. जानें इसके बारे में...

चुंकदर

चुकंदर में भरपूर मात्रा में विटामिन, मिनरल्स, आयरन और कैल्शियम पाए जाते हैं. एक्सपर्ट्स के मुताबिक ये इम्यूनिटी बूस्टिंग के साथ प्लेटलेट्स काउंट को तेजी से बढ़ाने में बेस्ट है. जिन लोगों में हीमोग्लोबिन लेवन यानी शरीर में खून की कमी हो, उन्हें रोजाना चुकंदर का सेवन करना चाहिए. बॉडी में बेड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में भी चुकंदर कारगर मानी जाती है.

खजूर

प्लेटलेट्स काउंट को बढ़ाने के लिए घरेलू उपाय करना चाहते हैं, तो आप खजूर का डाइट में शामिल कर सकते हैं. इसके गुण बीमार व्यक्ति की इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाते हैं और उसे जल्द से जल्द रिकवर करने में मदद करते हैं. जिस व्यक्ति की प्लेटलेट्स डाउन हो जाए, उसे सुबह-सुबह भीगे हुए खजूर का सेवन कराना चाहिए.

अनार

अनार को खून से जुड़ी किसी भी समस्या का बेहतरीन इलाज माना जाता है. एक अनार विटामिन बी, के, सी, आयरन, पोटेशियम और ओमेगा-6 फैटी एसिड जैसे अहम पोषक तत्वों का भंडार होता है. इसके एंटीइंफ्लामेटरी और एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं और डेंगू के कारण डाउन हुई प्लेटलेट्स की संख्या का लेवल दुरुस्त करते हैं.

पपीते के पत्ते

प्लेटलेट्स के डाउन होने पर पपीते के पत्तों का सेवन किसी रामबाण से कम नहीं है. डेंगू या मलेरिया जैसी बीमारियों के बढ़ जाने पर इनकी डिमांड भी काफी बढ़ जाती है. आप पानी में उबालकर इनका सेवन कर सकते हैं.

शादी के सात दिन बाद : गहने और पैसे लेकर गैंग के साथ फरार हुई लुटेरी दुल्हन, छह लोग गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

काशीपुर,28 सितम्बर। शादी के महज सात दिन बाद नकदी और जेवरात लेकर फरार हुई लुटेरी दुल्हन को आईटीआई थाना पुलिस ने उसके गैंग के पांच अन्य सदस्यों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में उसका पति, मां और सहेली भी शामिल हैं। अन्य आरोपी फरार बताए गए हैं।

25 सितंबर को पूर्व मंगल बाजार, हिम्मतपुर निवासी चोखे लाल ने अपनी शादीशुदा पुत्री सुहानी उर्फ रिया को कहीं बेचे जाने की आशंका जताई थी लेकिन पुलिस ने रिया के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज की। उसके सात सितंबर से गायब होने की बात कही जा रही थी।

मंगलवार को राजस्थान के जिला झुंझुनू की तहसील उदयपुर वाटी निवासी अवतार सिंह ने आईटीआई थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 19 सितंबर को उसने बिचौलिये पंकज की मदद से रिया निवासी कुंवरपुर गूलरभोज के साथ राजस्थान के श्रीमाधेपुर में शादी की थी। 25 सितंबर की रात रिया जेवरात और 50 हजार रुपये की नकदी लेकर फरार हो गई।

आरोप है रिया की मौसी पालकौर व उसके मुंह बोले भाई अनूप तिवारी ने शादी कराने के लिए उससे 95 हजार रुपये अपने बैंक खाते में और 70 हजार रुपये नकद लिए थे। षडयंत्र के तहत सुहानी की फर्जी आईडी बनाकर यह विवाह करवाया। सूचना पर पुलिस ने पंकज को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की तो उसने लुटेरी दुल्हन की पूरी कहानी उगल दी। उसने बताया कि रिया का असली नाम सुहानी है जो आईटीआई के मंगल बाजार की निवासी है। उसका पति बाबू अपनी ससुराल में ही रहता है। रिया से उसने अवतार को चौमू में मिलाया था। तहरीर पर पुलिस ने आरोपी रिया उर्फ सुहानी, रेखा, सिमरन, अनूप तिवारी, पाल कौर, राजेंद्र सिंह उर्फ राजू, प्रवीण कुमार उर्फ रामबाबू, पंकज व बाबू के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि सीओ वंदना वर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने लुटेरी दुल्हन सुहानी उर्फ रिया समेत छह आरोपियों रेखा, सिमरन, पंकज, बाबू, व राजेंद्र सिंह उर्फ राजू को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी ने वारदात का खुलासा करने वाली टीम को पांच हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है। एसएसपी ने बताया कि लुटेरी दुल्हन गैंग में पकड़ी गई एक आरोपी गूलरभोज निवासी सिमरन की मां भी फर्जी विवाह की आड़ में ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार की जा चुकी है।

बैंक खाते के पते से लगा आरोपियों का सुराग

शादी का झांसा देकर लूट का शिकार बनाया गया पीड़ित व्यक्ति रिया के मुंह बोले भाई अनूप तिवारी के बैंक खाते से मिले पते के आधार पर काशीपुर तक पहुंचा। पुलिस ने संबंधित बैंक से आरोपी का पता तस्दीक कर उसे धर दबोचा। इसके बाद बाकी आरोपी भी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। टीम में थाना प्रभारी एके सिंह, एसआई राकेश राय, एसआई सुरभि बौड़ाई, विजय सिंह, जितेंद्र नेगी, उमेश तोम्क्याल, कुलदीप सिंह, विनय कुमार, वीरेंद्र राणा आदि थे।

केदारनाथ दर्शनों को आए 130 तीर्थयात्रियों की अब तक हो चुकी है मौत, 11 हजार को दी आक्सीजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग, 28 सितम्बर। केदारनाथ धाम में इस वर्ष के यात्रा सीजन में अब तक सबसे अधिक 130 यात्रियों की मौत हो चुकी है। जबकि 11 हजार 43 यात्रियों को जरूरत पड़ने पर आक्सीजन दी गई और एक लाख 77 हजार 173 यात्रियों का उपचार किया गया।

केदारनाथ धाम में इस वर्ष रिकार्ड तीर्थयात्री दर्शनों को आ रहे हैं, वहीं दर्शन करने वाले अनफिट यात्रियों की असमय मौत भी हो रही है। अब तक रिकार्ड 130 यात्रियों की मौत हो चुकी है।

12 लाख 81 हजार यात्री धाम में दर्शन कर चुके हैं, जबकि अभी यात्रा के लिए एक महीने का समय बाकी है। इस वर्ष छह मई को केदारनाथ के कपाट खोले गए थे। वहीं इसके पहले ही दिन यहां रिकार्ड 23 हजार तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे थे।

इससे पूर्व वर्ष 2012 में 72 तीर्थयात्रियों की सबसे अधिक मौत केदारनाथ धाम व पैदल मार्ग पर हुई थी, लेकिन इस वर्ष पुराने सभी रिकार्ड टूट चुके हैं।

रुद्रप्रयाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. बीके शुक्ला का कहना है कि केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे श्रद्धालुओं में यदि किसी का स्वास्थ्य खराब हो जाता है तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा तत्परता से स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उपचार किया जा रहा है। जिसके लिए यात्रा मार्ग से श्री केदारनाथ धाम तक चिकित्सकों की तैनाती की गई है।

बुधवार को 1084 श्रद्धालुओं का किया स्वास्थ्य परीक्षण

सीएमओ ने बताया कि बुधवार को 1084 श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार कराया गया, जिसमें 850 पुरुष तथा 234 महिलाएं शामिल हैं तथा अब तक ओपीडी के माध्यम से 177173 श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया है। 11043 यात्रियों को उपलब्ध कराई आक्सीजन

जिसमें 130721 पुरुष तथा 46452 महिलाएं शामिल हैं। आज 37 यात्रियों को आक्सीजन उपलब्ध कराया गया। उन्होंने बताया कि अब तक 11043 यात्रियों को आक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है।

संपादकीय

कांग्रेस में बुनियादी बदलाव की जरूरत

दिवंगत कांग्रेसी नेता वीएन गाडगिल ने देश की बुनावट से कांग्रेस के जुड़ाव को विश्लेषित करते हुए कहा था कि आप देश के किसी भी गांव में जाएं, आपको तीन चीजें तो जरूर मिलेंगी- डाकिया, पुलिसकर्मी और कांग्रेस पार्टी. खैर, यह तो बहुत पुरानी बात है, लेकिन जब तक पार्टी का कुछ जमीनी जुड़ाव बना रहा, पार्टी के पास अपने जनाधार को समझने, उससे जुड़ने और उसे बढ़ाने तथा अपने एजेंडे में जनता को शामिल करने की प्रणाली भी रही थी. धीरे-धीरे यह जुड़ाव खत्म होता गया और पार्टी का नियंत्रण एक ब्यूरोक्रेट के हाथों में दे दिया गया, जिन्होंने दो कार्यकाल शासन किया, जिसके खात्मे के साथ भाजपा देश की सबसे प्रभावशाली पार्टी बन गयी. डॉ मनमोहन सिंह के दौर में नीचे तक जुड़ाव नहीं हो सकता था. वे प्रबंधन करने के माहिर थे. आर्थिक संकट के कारण उन्होंने अपने पूर्ववर्ती पीवी नरसिम्हाराव के दौर में सुधारों को लागू किया था. इस क्रम में सरकार और कांग्रेस की भाषा चाहे-अनचाहे जनता से हट कर उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण की भाषा में बदल गयी, जिसका देश की अधिकांश आबादी से कोई लेना-देना नहीं था. डॉ सिंह मुंबई तो लगातार जाते रहे, पर कार्यकर्ताओं की एक भी बड़ी सभा नहीं कर सके. मुंबई में वे अक्सर क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में भोजन करते थे, जिसका इंतजाम तब के मुंबई पार्टी प्रमुख और व्यवसायी मुरली देवड़ा करते थे. आज जब कांग्रेस कुछ खुलने, चुनाव कराने और लोकतांत्रिक ढंग से चुने नेता के हाथ पार्टी को देने की कवायद कर रही है, तो ऐसे कुछ आख्यानों को याद करना अहम हो जाता है. भारत के सबसे पुराने राजनीतिक दल के इतिहास में यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव है. पार्टी को बदलने की दरकार है, आंतरिक लोकतंत्र से इसका भला ही होगा. पारिवारिक नियंत्रण एक समस्या अवश्य है, पर यह सब इस पार्टी के गहरे पतन को इंगित नहीं करते, जो आम और मेहनतकश जनता की आवश्यकताओं व आकांक्षाओं से दूर जा चुकी है. कांग्रेस ने अपने को ठीक करने के कई प्रयास किये हैं. वह मनरेगा के साथ काम के अधिकार और मिड-डे मील स्कीम को लेकर आक्रामक हुई, लेकिन उसका तौर-तरीका नहीं बदल सका. उसकी छवि जनता से विमुख, भ्रष्ट, सत्ता की होड़ में लगे नेताओं वाली पार्टी की बनी रही. नतीजा यह है कि भारतीय राजनीति में यह पार्टी आज सबसे नीचे है. पार्टी के असंतुष्ट नेताओं को लेकर मीडिया में चर्चा तो हुई, पर एक बात इसमें उल्लिखित नहीं की गयी कि ये नेता या इनमें से अधिकतर खुद ही जनता से कटे हुए रहे हैं. वे एक ऐसी पार्टी में बड़े हुए, जो जनता से विमुख रही या उसकी ऐसी छवि रही. कोई भी पार्टी अगर कुछ और होती, तो इन असंतुष्ट नेताओं के लिए उसका कोई उपयोग नहीं होता. ये वोट नहीं जुटा सकते थे. उनकी प्रतिबद्धता एक सीमा तक ही थी. जब तक स्थितियां उनके अनुकूल थीं, वे तुष्ट थे. पर इन पहुंचे हुए समृद्ध असंतुष्टों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता है, पर वे ऐसे नेता नहीं थे, जो जनता की नब्ज समझ सकते थे.

जहरीली शराब कांड में 12 लोगों की मौत का आरोप, ग्रामीणों ने उसी को सौंपी बागडोर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 28 सितम्बर। शिवनगर ग्राम पंचायत के प्रधान पद के चुनाव नतीजों ने जिले के सभी लोगों को चौंका दिया। शिवगढ़ और फूलगढ़ में जहरीली शराब कांड की सह आरोपी बबली देवी को ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान की बागडोर सौंप दी है। प्रतिद्वंद्वी स्वाति की ओर से री-काउंटिंग करवाई गई लेकिन बबली देवी एक वोट से स्वाति से जीत गई।

10 सितंबर को शिवनगर ग्राम पंचायत में जहरीली शराब पीने से ग्रामीणों की मौत का सिलसिला शुरू हुआ। 12 लोगों की शराब पीने से मौत हुई। पुलिस ने छानबीन में ग्राम प्रधान की प्रत्याशी बबली के पति डॉ. बिजेंद्र चौहान को गिरफ्तार कर लिया। बिजेंद्र चौहान की निशानदेही से कच्ची शराब भी बरामद हुई। बबली और उसके जेठ नरेश चौहान को सह आरोपी बनाया गया। बबली और नरेश की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। डॉ. बिजेंद्र के जेल जाने और बबली व नरेश की फरारी होने से बबली के ससुर सूरज भान चौहान ने गांव में बबली के लिए वोट मांगे।

शराबकांड के बाद चौहान बिरादरी बबली के समर्थन में खड़ी हो गई थी। चौहान बिरादरी ने आरोप लगाया था कि शराब हर प्रत्याशी ने बांटी लेकिन कार्रवाई सिर्फ बबली और उसके परिवार पर हुई। शराब कांड से गांव में मृतक परिवारों में आक्रोश भले ही रहा लेकिन ग्रामीणों ने बबली के समर्थन में वोट कर उसे शिवनगर ग्राम पंचायत की प्रधानी की बागडोर सौंप दी है।

बहादराबाद ब्लॉक में हुई मतगणना में बबली के ससुर और समर्थक पहुंचे थे। मतगणना में बबली ने अपने प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी स्वाति से जीत दर्ज की। बबली को 855 और प्रतिद्वंद्वी स्वाती को 848 मत मिले लेकिन स्वाति ने री-काउंटिंग की अपील की।

इस पर प्रशासन ने दोबारा मतगणना कराई। री-काउंटिंग में बबली को 859 वोट मिले, जबकि प्रतिद्वंद्वी स्वाती को 858 वोट मिले। बबली एक वोट से स्वाति को हराकर जीत गई। शिवनगर ग्राम पंचायत में शिवगढ़, फूलगढ़, गोविंदगढ़, दुर्गागढ़ गांव हैं। चुनाव जीतने के बाद बबली के समर्थकों ने जश्न मनाया। बबली के बेटे हर्ष को गोदी में उठाकर समर्थकों ने ग्रामीणों का आभार जताया।

शिवनगर ग्राम पंचायत से 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। 26 सितंबर को हुए मतदान में 3370 वोट पड़े थे। बुधवार को मतगणना में 142 वोट निरस्त हो गए। 2737 वैध वोट में बबली देवी को 859 वोट पड़े हैं, जबकि सबसे कम नौ वोट रेनू को मिले हैं।

मतगणना जारी, देर रात तक भी कई सीटों पर घोषित नहीं हुए परिणाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 28 सितम्बर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना बुधवार को हुई। लेकिन देर रात तक भी कई सीटों पर रिजल्ट घोषित नहीं किए गए। जिले में छह ब्लॉकों की 4305 सीटों पर हुए मतदान के वोटों की गिनती ब्लॉकवार 277 टेबल पर की गई। मतदान स्थलों पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा रही। विजयी प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ जुलूस निकालकर जश्न मनाया। रात नौ बजे तक ग्राम प्रधान की 316 सीटों में से 94 का रिजल्ट जारी हुआ। क्षेत्र पंचायत की 218 सीटों में से 27 का परिणाम जारी हो चुका है। जिला पंचायत की 44 सीटों में अभी तक एक भी सीट क्लियर नहीं हुई है। मतगणना अभी भी जारी है।।

26 सितंबर को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में छह ब्लॉकों में ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन के लिए 85.20 फीसदी मतदान हुआ था। एक दिन बाद 28 सितंबर को वोटों की गिनती हुई। बुधवार सुबह आठ बजे से ब्लॉकवार वोटों की गिनती शुरू हुई। मतदान स्थलों पर पुलिस की कड़ी निगरानी रही। जिले की 4305 सीटों के वोटों की गिनती के लिए 277 टेबल लगाए गए थे।

बहादराबाद ब्लॉक में सर्वाधिक 80 टेबल पर वोटों की गिनती की गई। रुड़की में 41, भगवानपुर में 51, नारसन में 51, लक्सर में 36 और खानपुर में 16 टेबल पर वोटों की गिनती हुई। सुबह 10 बजे बाद से ग्राम पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधानों के नतीजे घोषित होने लगे, जबकि क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत की सीटों के परिणाम दोपहर बाद आने शुरू हो गए। नतीजों के साथ विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया। जिला निर्वाचन अधिकारी विनय शंकर पांडेय और एसएसपी डा. योगेंद्र सिंह रावत ने अधिकारियों की टीमों के साथ सभी ब्लॉकों के मतगणना स्थलों का जायजा लिया।

पंचायतों में पद और उम्मीदवार

पंचायत प्रतिनिधि	पद	उम्मीदवार
ग्राम प्रधान	318	2070
जिपं सदस्य	44	462
क्षेत्र पंचायत सदस्य	221	1535
ग्राम पंचाय सदस्य	3722	4684

मतगणना पर भी दावे हवाई, गिनती नहीं हो पाई पूरी

मतदान की तरह मतगणना पर भी जिला निर्वाचन कार्यालय के दावे हवाई हो गए। देर रात तक अधिकतर सीटों पर वोटों की गिनती पूरी नहीं हो सकी। प्रत्याशी और उनके समर्थक मतगणना स्थलों के बाहर डटे रहे। इसी गति से मतगणना चली तो सभी सीटों की वोटों की गिनती के लिए बृहस्पतिवार शाम तक इंतजार करना पड़ सकता है।

जिला निर्वाचन कार्यालय ने मतगणना 15 घंटे में पूरी करने का दावा किया था लेकिन दावा हवाई हो गया। ब्लॉकवार 277 टेबलों पर वोटों की गिनती की जा रही है। सुबह आठ बजे गिनती जरूर शुरू हुई, लेकिन रात तक जिला सूचना विभाग ने किसी भी सीट का परिणाम जारी नहीं किया। वोटों की गिनती पूरी होने पर सीटों के परिणाम निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर लोड किए गए।

दिल्ली पहुंचे अशोक गहलोत, तल्खी के बाद आज करेंगे सोनिया गांधी से मुलाकात; कहा- होती रहती हैं छोटी-मोटी घटनाएं

जयपुर, 28 सितम्बर। राजस्थान में कांग्रेस के सियासी संग्राम का हल अब तक नहीं निकला है। अगले कुछ दिन तक इसका समाधान होने की उम्मीद भी नहीं है। कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को संदेश दिया है कि विधायक दल की बैठक एक बार फिर बुलाई जाए, जिसमें सीएम सहित सभी तरह के फैसले लेने का अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को सौंपा जाए। 25 सितंबर को हुई बैठक में भी यही प्रस्ताव पारित होना था, लेकिन गहलोत खेमा इसके लिए तैयार नहीं था।

इस तरह के प्रस्ताव के विरोध में ही गहलोत खेमे के विधायकों ने इस्तीफे और विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर आलाकमान पर दबाव बनाने की कोशिश की थी। अशोक गहलोत बुधवार देर रात दिल्ली पहुंचे। माना जा रहा है कि वह गुरुवार को सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने कहा कि कल मैं सोनिया जी से मुलाकात करुंगा। घर की बातें हम सुलझा लेंगे। आतंरिक राजनीति में सब चलता रहता है। सब कुछ ठीक है। छोटी-मोटी घटनाएं होती रहती हैं। कांग्रेस में अनुशासन है। हम कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश किधर जा रहा है, यह नही पता। जो देश में चल रहा है, उसकी चिता है।

बुधवार को गहलोत ने अपने आवास पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल सहित आधा दर्जन मंत्रियों के साथ बैठक की। सूत्रों के अनुसार, अशोक गहलोत पर अब भी मुख्यमंत्री पद छोड़ने का दबाव है। ऐसे में वे जोशी को अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं। संवैधानिक पद पर होने के बावजूद मुख्यमंत्री निवास पर जाकर अधिकारिक रूप से बैठक में जोशी का शामिल होना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कांग्रेस अनुशासन समिति ने मंगलवार को सीएम के विश्वस्त धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस देकर दस दिन में सफाई मांगी है। लेकिन जोशी और राठौड़ ने कहा,उन्हे अब तक नोटिस नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि नोटिस मिलेगा तो जवाब देंगे।

राठौड़ ने पायलट को गद्दार बताते हुए कहा कि उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर दो साल पहले गहलोत सरकार को गिराने का प्रयास किया था। जोशी ने प्रदेश प्रभारी अजय माकन पर पूरे प्रकरण को सही तरह से नहीं निपटाने का आरोप लगाया है। विधायक दिव्या मदेरणा ने कहा कि अब वे धारीवाल और जोशी द्वारा आयोजित किसी बैठक में शामिल नहीं होंगी, क्योंकि दोनों ने अपने पदों की गरिमा गिराई है।

नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सीएम से मिलने के बाद कहा, पायलट के पास 18 विधायक हैं। बहुमत अभी भी गहलोत के साथ हैं। वे इस्तीफा नहीं देंगे। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ की गहलोत से बात हुई है। वहीं पायलट दिल्ली में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिले। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से पायलट की फोन पर बात हुई है।

होमगार्ड राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने लगातार दूसरे दिन धारीवाल को बुजुर्ग,मनारोगी बताते हुए उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। इस बीच कोटा वक्फ कमेटी के उपाध्यक्ष अफरोज खान ने गुढ़ा के खिलाफ जिला पुलिस अधीक्षक के समक्ष परिवाद पेश किया है। उन्होंने कहा कि गुढ़ा द्वारा अभद्र टिप्पणी करना कानूनी अपराध है।

सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का भारत है प्रबल दावेदार, UNSC को और अधिक समावेशी बनाया जाना चाहिए : एंटनी ब्लिंकन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को और अधिक समावेशी बनाने की जरूरत पर बल दिया है। उन्होंने सुरक्षा परिषद के स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की जरूरत भी बताई है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में लंबे समय से लंबित सुधारों के लिए जोर देने में आगे रहा है। भारत इस बात पर भी जोर देता है कि वह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने का पूरी तरह से हकदार है।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता में ब्लिंकन ने कहा, 'हमारा मानना है कि जिन चुनौतियों का हम सामना कर रहे हैं, उनसे निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को न केवल उसके चार्टर का पालन करना चाहिए, बल्कि सुरक्षा परिषद को और अधिक समावेशी बनाने सहित संस्थान का आधुनिकीकरण भी करना चाहिए।

'उन्होंने कहा, 'इसलिए, महासभा में अपने संबोधन में राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी सुरक्षा परिषद के स्थायी व अस्थायी दोनों प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने के कदम का समर्थन किया था, जिसकी भारत लंबे समय से मांग कर रहा है। ब्लिंकन ने कहा, 'इसमें उन देशों को स्थायी सदस्यता देना शामिल हैं जिनका हमने लंबे समय से समर्थन किया है। हम अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरिबियाई देशों को स्थायी सदस्य बनाए जाने का भी समर्थन करते हैं।

जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार विशेष रूप से एक वाजिब मुद्दा है। उन्होंने कहा, 'हम इस मुद्दे पर अमेरिका के सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना करते हैं, जो खुद राष्ट्रपति बाइडन के विचारों में परिलक्षित होता है। हम इसे और आगे ले जाने के वास्ते अमेरिका के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं।

गुजरात में सत्ता के लिए पाटीदारों की शरण में कांग्रेस, नरेश पटेल से नेताओं ने की मुलाकात

अहमदाबाद, 28 सितम्बर (एजेंसी)। गुजरात में काफी समय से सत्ता से दूर रही कांग्रेस ने पाटीदार मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए चलो मां के मंदिर यात्रा शुरू की है। कांग्रेस नेता इस यात्रा के दौरान पाटीदार समाज की तीन कुलदेवियों के मंदिर जाकर हाजिरी लगाएंगे। खोडलधाम पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने पाटीदार नेता नरेश पटेल से भी मुलाकात की।

पाटीदार वोट बैंक खोने के बाद कांग्रेस राज्य में कभी सत्ता में नहीं आ सकी। यह बात पार्टी नेताओं को अब अच्छी तरह से समझ में आ गई है। इसीलिए, प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर, राज्यसभा सदस्य शक्ति सिंह गोहिल आदि नेताओं की अगुवाई में राजकोट से शुरू हुई कांग्रेस की चलो मां के मंदिर यात्रा बुधवार को खोडलमाता मंदिर पहुंची। कांग्रेस नेताओं ने यहां मंदिर में दर्शन के बाद मंदिर के मुख्य ट्रस्टी एवं पाटीदार नेता नरेश पटेल से लंबी मंत्रणा की।

नरेश पटेल कांग्रेस के समर्थक माने जाते हैं। कुछ माह पहले तक उनके कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें थीं, लेकिन समाज के लोगों के कहने पर उन्होंने राजनीति में आने की इच्छा को त्याग दिया था। कांग्रेस की यह यात्रा पाटीदार समाज की कुलदेवी मां उमिया व मां सिदसर माता मंदिर भी जाएगी। कांग्रेस खुद को सत्ता में लाने के लिए अब पाटीदार समाज की शरण में जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी के एक विवादित बयान के कारण पाटीदार समुदाय कांग्रेस से नाराज होकर छिटक गया था। इसके बाद कांग्रेस कभी सत्ता में नहीं लौट सकी। इस यात्रा से सोलंकी के पुत्र एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भरत सिंह को अलग रखा गया है। सौराष्ट्र में कांग्रेस के आधा दर्जन नेताओं पर भाजपा की नजर है। कांग्रेस विधायक ललित वसोया, हर्षद रिबडिया, प्रताप दुधात, अंबरीश डेर जैसे कई विधायकों पर भाजपा डोरे डाल रही है। ये विधायक भी भाजपा नेताओं के साथ कहीं मंदिर में आरती तो कहीं गरबा करते नजर आ रहे हैं।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा